

श्रीरामः

त्रिपथगा

[वक्र-संहार, वन-वैभव, और सैरन्ध्री
नामक काव्यों का संग्रह]

लेखक

श्रीमैथिलीशरण गुप्त

प्रकाशक

साहित्य-सदन,

चिरगाँव (झोंसी)